Amaan.cooldude18
राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 50.00 संख्या 2445
चुनौती
राज रजत वर्ष
नागराज
सुपर कमांडो ध्रुव

हमारे इर्द-गिर्द अनगिनत ऐसे आयाम होते हैं जिनमें हम एक साथ कई अलग तरह की जिंदगियां जी रहे होते हैं।

बस, हमको उनका आभास नहीं होता क्योंकि उनको रचने वाले परमाणुओं की तरंग दैर्ध्यता यानि फ्रीक्वेंसी हमसे अलग होती है।

ईश्वर के विधान के अनुसार आयाम आपस में कभी मिल नहीं सकते! पर वह इंसान ही क्या जो विधान को तोड़ने की कोशिश न करे!

और इस तथ्य को दूसरे आयाम से आकर नागरानी सच साबित कर चुकी है।

क्योंकि वह धरती पर ही नहीं धरती के हर आयाम पर अपनी हुकूमत कायम करना चाहता है!

और इस तरह से होती है विनाश की शुरुआत!...जब देते हैं दो आयामों के रक्षक एक दूसरे को...

संजय गुप्ता पेश करते हैं!

चुनौती

राज कॉमिक्स है मेरा जनून!

कथा
जॉली सिन्हा
अनुपम सिन्हा

चित्रांकन
अनुपम सिन्हा

इंकिंग
विनीत सिद्धार्थ,
सागर थापा

इफैक्ट्स
शादाब, सुनील

कैलिग्राफी
हरीश शर्मा

सम्पादक
मनीष गुप्ता

भौं भौं
रात के सुनसान सन्नाटे में भी-
राजनगर में घट रहे...
किसी भी हादसे की खबर...
जंगल की आग से भी ज्यादा तेजी से फैलती है।
और जानने वाले इसे जान भी लेते हैं और समझ भी लेते हैं।
थैंक्यू फ्रेंड!
लेकिन इसको मैं कैसे बचाऊंगा? मेरे पास न तो फायर एक्सटिंविगशर है और न ही पानी का कोई स्त्रोत है।
एक ट्राई मारी जा सकती है।
उम्मीद है कि इससे निकलने वाली कार्बन गैसेज आग का संपर्क हवा से काट देंगी।

आप घबराइए मत। मैं आपको अभी अस्पताल ले चलता हूं।

बाऽऽऽह में! अक्!

ओफ! तो तुमने इसको पकड़ा है ध्रुव! थैंक्स! पर इसके बदन से धुंआ क्यों उठ रहा है।

जब मैंने इसे देखा तो इसका बदन लपटों में घिरा हुआ था। मैंने सिर्फ इसकी आग बुझाई है। पर ये कौन है और आप कौन हैं?

ओ! आई एम सॉरी! मैं इंस्पेक्टर काटकर हूं। स्पेशल ऑफिसर ऑन ड्यूटी फ्रॉम क्राइम ब्रांच! और मैं इस अपराधी का पीछा कर रहा था। इसपर कंप्यूटर हैकिंग के द्वारा योरोप में चल रहे एक वैज्ञानिक प्रयोग के संवेदनशील डाटा चुराने का आरोप है।

पर मुझे ये पता नहीं था कि ये गिरफ्तारी से बचने के लिए आग लगा कर आत्महत्या करने की कोशिश करेगा।

ओ...! क्या मैं आपका आई कार्ड देख सकता हूं।

व्हाय नॉट! ये देखो वैसे इस अपराधी के खिलाफ इंटरपोल का रेडकॉर्नर नोटिस है।

इसके खिलाफ खुद जाने माने वैज्ञानिक डॉक्टर सिरी आदीराव ने कम्प्लेंट की है

पर तुम्हारे हाथ में क्या है?

सीडी जो इस आदमी ने मुझे दी है। यह कह कर कि इसमें दुनिया की जान है।

ये तो इसके खिलाफ एक पुख्ता सबूत है।

नाऊ इफ यू डोंट माइंड, इसको अस्पताल ले जाना बहुत जरूरी है वर्ना ये मर सकता है।

हां! ठीक है। आप इसे जीप में लेकर चलिए, मैं पीछे-पीछे आता हूं।

गुर्र्र्र!
हंहा! ये कुत्ते भी जले मांस की गंध पाकर इसे अपना डिनर समझ रहे हैं।

रिपोर्ट इसके खिलाफ हेड्रॉन कॉलाइडर प्रोजेक्ट के जन्म दाता प्रोफेसर सिरी ने लिखवाई थी!
और रिपोर्ट में उनके प्रोजेक्ट के डाटा की हैकिंग का भी जिक्र था।
ये सीडी उस हैक्ड डाटा का सबूत है। और तुम्हें इसकी कोई जरूरत नहीं है। लाओ!

ठीक है। लो...

पकड़ लो।
अरे! ये तो हाथों की रगड़ से आग पैदा कर रहा है!!

अब तुमने सुबूत नष्ट करने का अपराध किया है।

और अब मुझे इस बात का भी शक हो रहा है कि ये आदमी खुद नहीं जला था।
इसे तुमने जलाया है।
करेक्ट!
और कैसे जलाया इसका नमूना भी मैं तुमको दिखा देता हूं।
कमाल है! ये तो आदिमानवों की तरह रगड़ से आग पैदा कर देता है! और यहां पर आग से बचने के लिए कुछ भी मौजूद नहीं है।
अब मैं बगैर इससे निपटे यहां से नहीं जा सकता। पर इस जले हुए आदमी को अस्पताल पहुंचाना भी जरूरी है।
कुछ तो अजीब है यहां पर! जिस आदमी की रिपोर्ट एक सुपर वैज्ञानिक ने खुद लिखाई, उसके पीछे ये नमूना क्यों पड़ा है।
कहीं ये भी वहीं से तो नहीं आया जहां से वे आदिमानव और भीमकाय प्राणी आए थे!
अगर ऐसा है तो फिलहाल तो इसको रोकना और भी जरूरी हो गया है।
आऊSSS
अब तो इस आग की लड़ी को बुझाना ही होगा।
पर यहां न तो पानी है और अब बाइक का धुंआ करने का मौका ये देगा नहीं। तो अब क्या बचा?
अरे! यहां तो आग बुझाने वाले मिश्रण भी हैं और यंत्र भी!
भा...! औ वाऊ! आऊऊऊ!

वह मिश्रण था मिट्टी और यंत्र थे ध्रुव के साथी। भला मिट्टी खोदने के लिए, कुत्तों के पिछले पैरों से ज्यादा तेज काम करने वाला यंत्र इंसान आज तक बना पाया है!
और यह तो जगत विदित है...
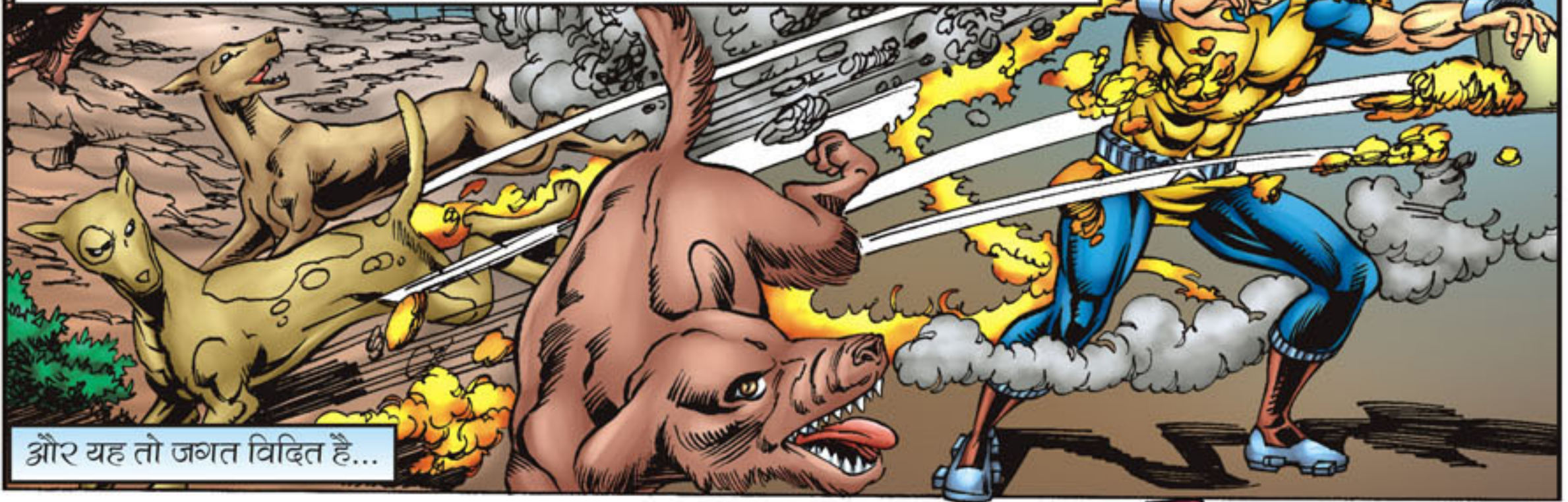
...कि मिट्टी आग को बुझा देती है।
कमाल है। तू...तू बच गया! मैंने तो सोचा था कि तुझे मारकर सीडी ले लूंगा।

अरे! अब तू कहां जा रहा है? ओ, समझा। तू इसे जीप में लेकर अस्पताल जाना चाहता है।
पर ये जीप मेरी है तुझसे तो स्टार्ट भी नहीं होगी।

मैं जानता हूं। और मैं यह भी जानता हूं कि तू मुझे यहां से जाने भी नहीं देगा।
पर न मैं यहां से जाऊंगा और न ही ये आदमी यहां रुकेगा!
ये दोनों बातें एक साथ कैसे हो सकती हैं?

ऐसे!

जाओ दोस्तों! इसको सीधा इमर्जेंसी में लेकर जाना! मैं तब तक कमांडो हेडक्वार्टर में भी संदेश भेज दूंगा!
तू समझता है कि ये कुत्ते उसे समय रहते अस्पताल पहुंचा पाएंगे?
खैर! वह मरे या जिए, उससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ेगा!
तू बस, ये सीडी मुझे देदे!
वर्ना तू यही सोचता रह जाएगा कि तेरा दिमाग तुझे बचाएगा या...
...तू अपने दिमाग को बचाएगा।

सीडी खत्म, मेरा काम खत्म! पर तुझे खत्म करने की इच्छा को मैं रोक नहीं पा रहा हूं।
अब ये गोले मैं तब तक फेंकता रहूंगा जब तक तू खुद आग का गोला नहीं बन जाता।
आग का खेल बहुत हो गया।
आग को बुझाने की कोशिश करते रहना बेकार है।
अब आग को भड़काने का समय आ गया है।
भागने की सोच रहा है। पर भागेगा कहां? चारों तरफ तो आग की बारिश हो रही है।
हो रही है...
...पर एक चीज बची हुई है।
तू!

ये...ये तूने क्या किया?
मैं चाहता तो टंकी को उखाड़ कर भी तुझ पर फेंक सकता था। पर ऐसा करने से तेरे जैसे गधा भी मेरा प्लान समझ जाता!
आऽऽऽऽह! इस...इससे पहले कि ये आग मेरे वापस जाने के माध्यम को भी नुक्सान पहुंचाए, मुझे...मुझे वापस चले...
...जाना चाहिए!
ये भी वैसे ही गायब हुआ जैसे प्राचीन नगरी के प्राणी! मेरा शक सही है।
क्या था इस सीडी में जिसको लेने के लिए ऐसी सुपर शक्ति को आना पड़ा?
अब तो इसका रहस्य वही आदिमानव बता सकता है।
"अगर वह जिंदा बच गया तो।"
वो 'डॉग स्लेज देखते ही मैं समझ गया था कि वह तुम्हारा मरीज है।
अभी तक वह मरा नहीं है। पर...यू समझो कि जिंदा भी नहीं है। 70 परसेंट बर्न हैं। सेकेंड और थर्ड डिग्री के!
यानि अभी वह कुछ भी बताने की हालत में नहीं है?
ऊहूं!
मैं हूं। मुझसे पूछो।

श्वेता! तू...तू यहां पर क्या कर रही है।
इसे दिखाने लाई हूं। मैगी को!
इसे क्या हुआ है?
कुछ नहीं।
फिर क्या दिखाने लाई हो?
अस्पताल!

ये मेरी यूनिवर्सिटी की फ्रेंड है! पूरी दुनिया की अलग-अलग हेल्थ फेसिलिटीज पर रिसर्च कर रही है।

वैसे तुमने मेरा सारा इम्प्रेशन खराब कर दिया। मैंने इसे बताया था कि मेरे भाई का दिमाग दुनिया में सबसे तेज है।
पर तुम्हारे अनइंटेलिजेंट सवाल... ओ माई गॉड!
वैसे ये साइकैट्रिस्ट है। दिमाग की डॉक्टर। तुम्हारा एपवॉयंटमेंट ले लूं?
तेरे बाद! SISTER'S FIRST.

इसकी शक्ल भी इतनी जल गई है कि पहचान कर पाना भी मुश्किल हो रहा है!
पर इसके खिलाफ तो इंटरपोल की रिपोर्ट है।
रिपोर्ट इस क्षेत्र में मौजूद अज्ञात कंप्यूटर हैकर के खिलाफ थी! अगर हम इसको लोकेशन पर पकड़ते तो पहचान हो जाती। पर अब तो तलाशी अभियान चलाना पड़ेगा।

इसके पास कोई ऐसी चीज मिली जिससे कि इसको पहचाना जा सके?
नो! ये घर से जेब झाड़ कर निकला था। इसके पास कुछ नहीं था सिवाय इस अंगूठी के!
और इस सीडी को। जो जलकर राख हो चुकी है।

इस को देखकर तुम को कुछ याद आता है? मैगी!
अरे! ये तो बिलकुल उसी डिजाइन की रिंग है।

एवरी स्टूडेंट ऑफ क्रैम्बिज नोज दिस डिजाइन!
तुम दोनों किस डिजाईन की बात कर रही हो?
भईयाऽऽऽ! एक और सिली क्वेश्चन! अंगूठी की। और किसकी?
ओ....मेरा मतलब किसकी अगूंठी के डिजाइन से मिलती जुलती है ये अंगूठी?
प्रोफेसर सिरी की!!
प्रोफेसर सिरी!! वही जिनको हैड्रॉन कॉलाइडर का जनक कहा जा रहा है।
यस ब्रदर! वो हमारे यहां विजिटिंग प्रोफेसर रह चुके हैं! यही अंगूठी वाली उंगली हिला हिलाकर समझाते थे।
ये अंगूठी तो इस आदमी की है।
और वह भी प्रोफेसर सिरी जैसी!
इस वक्त वे कहां पर मिलेंगे?
इन जिनेवा। हैड्रॉन कॉलाइडर लैब इज हिज न्यू हाउस!
प्रोफेसर सिरी ने ही इस अंजान हैकर के खिलाफ रिपोर्ट लिखाई थी! और इसके हाथ में ठीक उनके जैसी ही अंगूठी!! मामला संयोग से कहीं ज्यादा ही लग रहा है।
और इसके तार कहीं न कहीं प्राचीन नगरी और शायद भूकंप से भी जुड़ रहे हैं।
श्वेता, मुझे तुरंत जिनेवा जाना है। प्रोफेसर सिरी से मिलने!

अरे वो किसी से नहीं मिलते। पर हां, अगर उनकी फेवरेट स्टूडेंट को घुमा-फिरा कर लाओ तोऽऽऽ बात बन सकती है।
यानी तू?
येऽऽऽस! मैं तो हूं पर मैगी की उनसे ज्यादा पहचान है।

पर स्थिति उसके अनुमान से कहीं ज्यादा गंभीर होने वाली थी।
तिलिस्मी शक्तियों में इस ब्रह्मांड में मौजूद हर ज्ञात और अज्ञात शक्तियों का अंश होता है।
तिलिस्मी शक्तियां बनी ही हैं हर मौजूद शक्ति का अंश लेकर! इसीलिए ये किसी भी शक्ति का पथ तलाश सकती हैं।
चाहे वे शक्तियां वैज्ञानिक प्रामाणिकता रखती हों या नहीं।
ये तो मैं समझ गया। पर इसका प्राचीन नगरी से क्या संबंध है? क्या वह नगरी किसी तिलिस्मी शक्ति का नतीजा है!
नहीं! ये चुंबकीय शक्ति का नतीजा लग रहा है। कुछ अनुष्ठान और करने होंगे। पर इतना तय है कि ये भूकंप और नगरी आए नहीं हैं लाए गए हैं।
मेरी तरह!
नागरानी!! तुम यहां कैसे?
यह तो मुझे भी नहीं पता! मैं तो एक अपराधी के पीछे एक ब्लिंप पर से कूदी थी!
हवा में ही सीन बदल गया और मैंने अपने आप को प्राचीन नगरी में पाया।
पर सौडांगी को क्या हुआ?
सौडांगी 'प्राण जाए पर वचन ना जाए' पर अमल कर रही थी! प्राचीन नगरी में ये एक नई सौडांगी से टकरा रही थी।

सौडांगी, सौडांगी से टकरा रही थी!!

वह स्थान एक आयाम द्वार है, नागराज! न जाने उसे किस कारण से खोला गया है!
पर कारण जो भी हो। कम से कम अच्छा तो नहीं हो सकता!

वह आयाम द्वार विनाश का द्वार साबित हो सकता है। उसको नष्ट करना होगा।
ये सही नहीं होगा, नागरानी! बगैर जाने बूझे इतना बड़ा कदम उठाना उचित नहीं है!

कहीं ऐसा ना हो कि उस आयाम द्वार से छेड़-छाड़ करके हम कोई और बड़ी मुसीबत मोल ले लें।
यह जानने का कोई पक्का तरीका नहीं है।

मैं तुम दोनों से ही सहमत हूं! इसीलिए बीच का रास्ता निकालना होगा! हम पुरानी नगरी को आंशिक रूप से नष्ट करेंगे और नतीजों का इंतजार करेंगे।
आगे की कार्यवाही उन नतीजों पर ही निर्भर होगी! इस प्रकार से तुम्हारे वापस जाने का रास्ता भी खुला रहेगा नागरानी। नगरी नष्ट होने से तुम खुद यहां फंस सकती हो।
मेरे पास नागू का संकेत आ चुका है। मैं उसे कुछ ढांचे नष्ट करने के नाग संकेत भेज देता हूं।

मैं भी वहीं जाती हूं। वापस जाने का रास्ता ढूंढने!

एक पल रुको नागरानी। मैं तुमसे कुछ जानना चाहता हूं।

कहिए, वेदाचार्य जी!

तुम्हारा पुत्र कैसा है, नागरानी?

मेरा पुत्र! यानी नागराज की मानस् संतान! वह कुशल है! हमारे आयाम के समय के अनुसार वह पांच वर्ष का हो गया है। और अपने विष के द्वारा वह अभी से हमारी पृथ्वी का रक्षक बना हुआ है।

मेरा...पुत्र!

नागराज ने हां कह दी! पर सिर्फ चार ढांचे गिराने को कहा है।
इतने छोटे सेट पर ग्रेंड इम्पैक्ट कैसे आएगा?
विनाश की शुरुआत होने वाली थी-
पर इसका दायरा सिर्फ प्राचीन नगरी तक सीमित रहने वाला नहीं था!
हांSSS! गुड!! अब बस इस एक डिटोनेटर को और फिट करना है।
येSSS बस! हो गया! अब ये सब से पहले फटेगा और फिर एक-एक करके पूरी लड़ी फटेगी और ये ढांचा सीधा नीचे गिरेगा इसे कहते हैं कंट्रोल डिटोनेशन! सब फटाफट बाहर निकलो।

वर्ना अनारकली की तरह मलबे में दफन हो जाएंगे!
पर अनारकली को तो दीवार में चिनवाया गया था!
वही, वही न! पहले दीवार थी तो तोड़ने के बाद मलबा बन जाएगी न! समझो यार!
फिल्मी सीन में लॉजिक मत लगाया करो!
सब छुप जाओ! मेरे काम पर कोई भरोसा मत करना।
भड़ाम
बडाम धड़ाम
शाबाश! अब देखना है कि इन इमारतों को गिराने का नतीजा क्या होता है?
कुछ होता भी है या नहीं।
देख लो! शानदार धमाकेदार सीन, डायरेक्टेड बाई नागू नाग।
ये तो फ्लॉप शो हो गया! तेरे बमों में बारूद था भी या नहीं?
आर.डी.एक्स था यार! प्लास्टिक एक्सप्लोसिव!
वो...वो क्या है?
क्या क्या है?
वो!

वो!
ओए कौन है जिसने मेरे सीन को कट कर दिया!
ये तो...
क्या ये सचमुच...

नागराज!
ओए! तुम तो मेकअप चेंज करके आए हो!!
पहले खुद ही इमारतें गिराने का ऑर्डर देते हो और फिर खुद हमारी मेहनत पर पानी फेर देते हो।
तो ये ढांचा तुमने गिराने की कोशिश की थी! और इसका आदेश नागराज ने दिया था।
यानी...तुमने!
एक मिनट, नागू! नागरानी ने डुप्लिकेट सौडांगी की बात कही थी।
कहीं ये नागराज तो डुप्लिकेट नहीं है।
करेक्ट! स्टंट सीन तो वैसे भी डुप्लिकेट ही देते हैं। अभी मैं इसको सेट से बाहर करता हूं।

ये नागराज का एक डुप्लिकेट है पर मेरे तो ढेर सारे डुप्लिकेट हैं।
हीहीही! डोंट मांइड यार! स्टार स्टेटस का चक्कर है।
तड़
तड़ातड़ातड़
बस!
ये नागराज तो सीधे...खिच्च!
ये जानता है कि वे तुम्हारे प्रतिरूप थे!

नागू से टक्कर!! अच्छा। तो भई डुप्लिकेट, अब अपने हाथ...
...नागू की गर्दन तक पहुंचाकर दिखा। पर एक छोटी सी प्रॉब्लम है। उसके लिए तुमको अपना हाथ इन पत्थरों के पार निकालना होगा।
और वह भी अपना मकबरा यानी पिरामिड पूरा होने के पहले पहले!
आहाSSS! मैं जीता!
नागू!!

ठहरो! इस पर यूं हमला करना व्यर्थ है। हमको कुछ इमारतें गिराने की इजाजत मिली है। पर कहां यह नहीं बताया गया है।
ये कितना भी शक्तिशाली हो, पर एक साथ चार जगहों पर नहीं पहुंच सकता जाओ और जाकर चार अलग- अलग क्षेत्रों में एक- एक इमारत को गिरा दो!
फिर देखते हैं कि ये क्या कर पाता है!
नागराज कुछ भी कर सकता है।
एक साथ चार जगह तो क्या...
...चार हजार जगहों पर भी रह सकता है!
ये तो घातक वार कर रहे हैं!
तो हमने भी विष का त्याग नहीं किया है! ये घातक वार करेंगे तो हम महाघातक करेंगे।

यह पूरा षडयंत्र तुम्हारा ही रचा हुआ लगता है, बहुरूपिए! और शीत नाग तुमसे सच उगलवा कर ही रहेगा।
इतनी तेज गति! और इतनी शक्ति!! मेरी बर्फ तो हीरे जैसी कठोर होती है। उसको इसने एक बार में चूर कर दिया।
अब वो वार करना होगा...
इस बर्फीली लहर से मुझे डराकर? अरे इतनी बर्फ तो मैं बचपन में आइसक्रीम में खा लेता था!
एक बार में।
जिसको कोई भी काट नहीं सकता!
अब इसको खाकर दिखा, बहुरूपिए! पर ध्यान रखना ये आम बर्फ नहीं है! ये चैतन्य-हिम है। जिंदा बर्फ!
और इसको इस दुनिया की कोई भी आग गला नहीं सकती!
अगर ये बर्फ सचमुच जीवित है तो मेरा विष इसे मार देगा।
जरूर मरेगी। पर ये हिम विषाणु की तरह है। उधर ये मरेगी इधर ये पैदा होती जाएगी।
घबरा मत! मैं तुझको मारूंगा नहीं। बस, अपना काम पूरा हो जाने तक तुझे चैतन्य हिम से बंधक बना कर रखूंगा।

रोकना चाहता था?

तू...पर तू तो वहां...

तुम अभी सहस्रधारी नाग की शक्तियों को नहीं जानते।

मैं अपने शरीर से सिर्फ महाघातक सर्पों को ही नहीं बल्कि अपने कई ऊर्जा रूप भी निकाल सकता हूं।
हांलांकि ऊर्जा बचाए रखने के लिए मैं इनका प्रयोग महाविपत्तियों में ही करता हूं। वैसी विपत्ति जैसी तूने आज खड़ी कर दी थी! तू सच में शक्तिशाली है। और आक्रामक भी है।
इसीलिए तुझे जिंदा छोड़ना मूर्खता होगी।
शीतनाग के बेहोश होते ही उसकी चैतन्य-हिम का असर भी खत्म होने लगा था।
अब वह भी उसको एक निश्चित मौत से बचा नहीं सकती थी।
ये...ये नहीं हो सकता!

ये तो मेरे अनुमानों के विपरीत है!!
लगता है कि तुम किसी और चीज की उम्मीद कर रहे थे!
पर मैं जो उम्मीद कर रही थी वह एकदम सही निकली! तुम नागराज हो!
और तुम?

नागरानी! जो शक्तियां तुममें हैं वैसी ही कुछ शक्तियां मुझमें भी हैं।
हमारा टकराव इन अवशेषों को छिन्न- भिन्न कर देगा। और अभी की स्थिति देख कर मुझे ऐसा लग रहा है कि
यह तुम कतई नहीं चाहते। इसीलिए वापस चले जाओ।

हम्म्! मेरा यहां पर आने का कारण तो एक मजबूरी है।
पर तुम्हारे वायब्रेशन यह बता रहे हैं कि तुम यहां की नहीं हो।
क्योंकि यह धरती मेरे एक अतिप्रिय का घर है! और उसकी इच्छा है कि इस प्राचीन विलुप्त नगरी को फिर से विलुप्त कर दिया जाए!
और ऐसा तुम करोगी?
फिर इसको बचाने के लिए जान की बाजी लगाने का क्या कारण है।

वैसे तो मैं यहां से सिर्फ गुजर रही थी। परंतु वर्तमान परिस्थिति देखकर ऐसा लगता है कि ये बीड़ा मुझे ही उठाना पड़ेगा!
उससे पहले मैं तुमको इस दुनिया से उठा दूंगा! मेरे रहते यहां का एक पत्थर भी हिल नहीं सकता!

मेरा! उनको हिलाने का इरादा है भी नहीं!
नागरानी की विष फुंकार में अद्भुत एवं घातक प्रभाव थे-

पर इस विष का प्रभाव अंजाने में कहीं दूर हो रहा था।
अचानक से महानगर की इमारतों को क्या हो रहा है। कभी कोई इमारत बिना कारण गिर जाती है और कभी गलने लगती है।
और हमारी सरकार के पास उसको रोकने का कोई उपाय नहीं है।
ये सब मैग्नम का किया धरा है। वह किसी अद्भुत तरीके से पूरे महानगर को मिट्टी में मिला सकता है।
तो फिर नागराज कहां है?
नागराज अभी कहीं गायब है!
तो फिर क्या हम एकदम बेसहारा हैं?

"नहीं! अभी एक हाथ हमारे सिर पर है।"
"सुपर कैप्टेन ध्रुव का हाथ!"
खौईई! खांऽऽ!
इस तरफ ओ.के.।
मैग्नम के ऑर्डर हैं कि पॉवर बैकअप डबल कर दो। अगर महानगर में पॉवर गई तो हमारे यंत्र भी नष्ट हो जाएंगे।
और फ्रीक्वेंसी मॉड्यूलेटर काम करना बंद कर देगा! ऐसा नहीं होना चाहिए। किसी कीमत पर नहीं!
"...वर्ना ये मुकाबला हम शुरू होने से पहले ही हार जाएंगे।"
कैप्टेन ध्रुव! ये...ये यहां तक कैसे पहुंच गया? जरूर किसी ने अपनी ज़ुबान खोलकर मैग्नम से गद्दारी की है!!
तुम लोगों को ज़ुबानें खोलने की नहीं दिमाग खोलने की जरूरत है!
ये तथ्य तो पांच साल का बच्चा भी जानता है कि चिड़ियों में मैग्नेटिक वेव्स को महसूस करने की जबरदस्त सेंस होती है।
और वे ये भी जानते हैं कि जहां से मैग्नेटिक ट्रांसमिशन भेजा जाएगा या रिसीव होगा, वहां पर मैग्नेटिक वेव्स की डेन्सिटी बहुत ज्यादा होगी।
बस मेरे दोस्तों ने ऐसी कुछ जगहों को ढूंढ निकाला और उनमें से तीसरी जगह पर यानी यहां पर मुझे अपनी मंजिल मिल गई।
यानी मैग्नम की रीढ़ की हड्डी।

और अब मैं उसे तोड़ने जा रहा हूं!
जानते हो मैं तुमसे इतना क्यों डरता हूं?
क्योंकि नागराज एक तूफान है। आता है तो सब कुछ उखाड़ कर चला जाता है, पर तूफान कम से कम दिख तो जाता है! पर तू तो भूकंप की तरह है। कब आएगा और जमीन कब पैरों के नीचे से खिसक जाएगी, इसका पता जमीन हिलने पर ही चलता है।
अब तो तेरे भागने के लिए भी जमीन नहीं बचेगी! इस कम्युनिकेशन सेंटर की तबाही के बाद तेरी ब्लैक मेलिंग का आधार ही खत्म हो जाएगा।
पर ऐसा होगा नहीं।
क्योंकि ये रोबॉट्स सिर्फ सर्विस रोबॉट्स नहीं हैं। इनके अंदर डिफेंस की भी पूरी डिटेल प्रोग्रामिंग भरी हुई है!
अब जमीन तुम्हारे पैरों के नीचे से खिसकेगी।
अपने समय के दो बेहतरीन दिमाग आपस में शतरंज की बाजी खेल रहे थे। पर इस खेल में खिलाड़ी सिर्फ ये दो ही नहीं-
कई और भी थे।
आऽऽऽह!
तेरे अंदर तो सचमुच अद्भुत विष है। आज तक कोई विष मेरे शल्कों पर खरोंच तक नहीं लगा पाया था!
आने वाले वक्त का इशारा समझ गए हो तो लौट जाओ और बंद कर दो इस आयाम द्वार को।

चाहता तो मैं भी यही हूं। पर फिलहाल तो मुझको इस प्राचीन नगरी में तुम जैसे लोगों की आवाजाही को बंद करना है जो इसको नुकसान पहुंचा सकते हैं।
तूने इनसे बचने की कोशिश करके बहुत बड़ी गलती कर दी है नागरानी।
अब ये सर्प विद्युत रूप में तेरे शरीर में घुसकर तुझे तब तक नहीं छोड़ेंगे जब तक तुझे लकवा नहीं मार जाता!

नागरानी को लकवा कभी नहीं मारता!
बल्कि नागरानी को देखकर दूसरों को लकवा मार जाता है।
और फिर वह हिलने लायक नहीं रहता।
जैसे कि तुम!
अभी तक तुमने मेरे जहर का असर अपने शरीर के ऊपर से देखा था। अब वह असर तुम अंदर से देखोगे।
विपरीत विष है नागरानी के शरीर में!
सही कह रही है तू! तेरा विष मेरे विष को मार रहा है। उसके बाद यह मेरे अंदरूनी अंगो को गलाएगा!
पर तब, जब मैं इसको यह मौका दूंगा।

अब या तो
तेरे बाल मेरे शरीर
को छोड़ेंगे...

"या फिर तेरे सिर को!"

ओफ्! आऊSSSS!!
मेरे बाल बुरी तरह से
खिंच रहे हैं।

आश्चर्यजनक
शक्ति है इसके
फूंक बवंडर में।
आऊSSS!!

जो बाल
चट्टानों को भी
हवा में खिलौने की
तरह नचा सकते हैं,
वे टूटकर अलग हो
रहे हैं। अब मुझे अपने
बालों को बचाना
ही होगा।

मुझे अब एहसास हो रहा है कि तुमको मारने की कोशिश करना मेरी भूल थी!
तुम्हारे विष में तो पत्थरों को पिघलाने की अद्भुत शक्ति है!
इसका प्रयोग अगर सीमित मात्रा में और सावधानी से किया जाए तो इस प्राचीन नगर के गिरते खंडहरों की हर इमारत की हर ईंट को आपस में पिघला कर ऐसा जोड़ा जा सकता है कि फिर इसे कोई हिला भी ना सके!
और ऐसा मैं तेरे लाखों बालों को साइफन बनाकर कर सकता हूं!
और अगर मैं ऐसा करने में सफल रहा तो फिर यहां मुझे रुकने की कोई जरूरत नहीं रहेगी।
आऽऽऽऽह!

इस दुनिया में नहीं...
पर मेरे शरीर में हो सकता है।
तो तुम हो नागराज!
असंभव! मेरे-मेरे सर्पों से जीत सके। ऐसा कोई सर्प इस दुनिया में हो ही नहीं सकता।
दो पर्वत आपस में टकराने वाले थे। और इसका एक ही नतीजा हो सकता था।
संपूर्ण विनाश।

पर इस विनाश को टालने की एक क्षीण सी संभावना बची हुई थी।
आऊ!! मेरा पैर!!
मैं इन पर वार करूं या ये मुझपर वार करें। नतीजा एक ही निकलना है।
मेरी हड्डियों का टूटना!
ओहो! मैं इनका इस्तेमाल एक दूसरे के खिलाफ कर सकता हूं। पर हर बार ऐसा होना मुश्किल है...
कि ये मुझ पर वार करने के चक्कर में अपने ही साथी पर वार कर दें। आऊ!!
ये तो इस कम्युनिकेशन सेंटर को तोड़ने के लिए मुझसे ज्यादा बेताब हैं।
अगर इस कम्युनिकेशन सेंटर के साथ तू भी नष्ट हो गया तो सौदा महंगा नहीं पड़ेगा। थोड़ी दिक्कत तो होगी, पर चलेगा। मैं संभाल लूंगा। पहले तू तो मर!
मैं मरा भी तो तुझे मार कर मरूंगा। मुझे पता है कि तू बेफ़िक्र दिखने की कोशिश कर रहा है पर अंदर ही अंदर इस सेंटर की तबाही की आंशका से बेहद डरा हुआ भी है।
तू सचमुच शैतान का दिमाग लेकर पैदा हुआ है। मैं आशंकित जरूर हूं पर मैं यह भी जानता हू कि इस सेंटर को कोई खास नुक्सान पहुंचने से पहले ही मेरे रोबोट गॉर्ड्स तुझे परलोक पहुंचा देंगे।
पर उसके लिए पहले इनको परलोक का रास्ता देखना पड़ेगा!
और वह रास्ता...

आंखे बंद करने के बाद ही दिखता है।
अब देखता हूं कि ये मुझ पर...
कैसे वार करते हैं।
अरे! ये तो मुझे अभी भी देख पा रहे हैं। पर कैसे?
समझा रडार वेव्स! ये रडार वेव्स की मदद से देख रहे हैं। यानी ये मेरे चेहरे के उभारों को पहचानते हैं।
अब तो इनसे बच पाना...
लगभग नामुंकिन है। शुक्र है ये पतली मेटल फॉयल है वर्ना...। गुड!
रास्ता मिल गया।
और फिर-
ये...ये कैसे हो गया?

लगता है कि तुम कुछ सेकेंड्स के लिए सो गए थे! ये अपनी रडार-रेज से मेरे चेहरे के उभारो को भांप कर मुझ पर वार कर रहे थे।
इसीलिए मैंने इन सबके चेहरों पर अपने चेहरे चिपका दिए।
पर तुम्हारे इतने चेहरे आए कैसे?
तुम्हारी मेहरबानी! तुम्हारी दीवार पर लगी ये पतली मेटल फॉयल एकदम परफेक्ट है अपने इम्प्रेशन बनाने के लिए।
अब ये सेंटर नष्ट होने से नहीं बचेगा। मुझे अपने सारे कनेक्शन कहीं और ट्रांसफर करने पड़ेंगे! तुमने मेरी चीज तोड़ ही दी।
पर अब कुछ तोड़ने की बारी मेरी है।
तुम्हारा दिल!
फिर उसके साथ तुम्हारा दिमाग और तुम्हारी इच्छा शक्ति!
दुनिया यही जानती है कि तुम राधा और श्याम के बेटे हो! सर्कस की एक कलाबाज जोड़ी के।
पर दुनिया यह नहीं जानती कि शुरुआत में ही एक हादसे के दौरान राधा को ऐसी चोट लगी थी कि वह मां बनने के काबिल ही नहीं रही।
क्या बकवास कर रहे हो?
साबित करने के लिए मेरे पास राधा के मेडिकल सर्टिफिकेट्स भी हैं।

अपनी स्कीम को फेल होता देखकर तुम पागल हो गए हो!
तुम भी हो जाओगे! जानते हो तुम राधा और श्याम को मिले कैसे? उनकी सर्कस पार्टी जंगल में अपनी जरूरत के लिए जानवरों को पकड़ने गई थी!
वहां पर उनको मिली एक बैठी हुई शेरनी दूध पीते तीन बच्चों के साथ!

वह बच्चा तुम थे! पर राधा की ममता से तुम बच नहीं सके! तुमको ज्यूपिटर सर्कस ले आया गया!
राधा और श्याम ने पुलिस वालों से मिलकर गुमशुदा बच्चों का पूरा डाटा बैंक छान मारा! पर तुम्हारा उसमें कहीं जिक्र नहीं था!
राधा, श्याम ने तुमको अपना बेटा मान लिया और उनके साथ बाकी सबने भी।
तुम उनके लिए सोने का अंडा देने वाली मुर्गी, सॉरी मुर्गा जो थे।

और... ये सब तुम कैसे जानते हो?
दुश्मनों के बारे में जानना मेरा काम है। आगे की कहानी तो सभी जानते हैं कि
कैसे तुम्हारी पॉपुलैरिटी बढ़ने के साथ-साथ ग्लोब सर्कस वालों को खाने के लाले पड़ने लगे और
उन्होने ज्यूपिटर सर्कस में आग लगा दी! सर्कस जल गया और तुम आई. जी. राजन मेहरा के दत्तक पुत्र के साथ-साथ अपराध विनाशक भी बन गए।

अब इसमें भी कोई रहस्य है क्या?
है न! वह आग सिर्फ तुमको मारने के लिए लगाई गई थी। ग्लोब सर्कस वालों को उकसाया गया था।
तुम्हारे नाजायज बाप के द्वारा।
सभ्यता की सीमांए मत लांघो मैग्नम!
नाम नहीं जानना चाहोगे उस शख्स का जिसने तुमको जंगल में फिंकवा दिया! फिर जब किस्मत ने तुमको बचा लिया और तुम्हारे पॉपुलर होने के कारण खतरा बढ़ने लगा तो उसने तुमको मरवाने की कोशिश की!

तो वह आदमी यानी तुम्हारे अनुसार मेरा काल्पनिक पिता इतना पॉवर फुल है कि वह ग्लोब सर्कस जैसी संस्था को भी अपनी उंगलियों पर नचा सकता है!
मैं राधा और श्याम का बेटा नहीं हूं।
कैसे समझाऊं? अब तो उनका डी.एन.ए. भी नहीं रहा जिसे मैं तुमसे मैच... सॉरी... मिस मैच करवा सकूं। पर हां, तुम्हारे बाप से तुम्हारा डी.एन.ए. मैच हो सकता है। अभी भी।
मामला सीरियस हो रहा था-

कौन है वह?
तुम्हारा बाप!
हां, मेरा बाप! वही तो पूछ रहा हूं।
हां तो वही तो मैं बता रहा हूं। वह तुम्हारा बाप है! आज का बाप!

आई.जी.राजन! यानी तब का एस.एस.पी. राजन मेहरा!

हां, मिस्टर सुपर कैप्टेन ध्रुव तुम आई.जी. राजन की ही नाजायज औलाद हो। उसने तुमको अपना बेटा बनाने का ऑफर फ्री में ही नहीं दे दिया।
वह तुमको अपने पास रखना चाहता था। अपनी आंखों के सामने। ताकि तुम कभी भी अपने अतीत में झांक कर उसकी गलतियों को पकड़ ना लो और वह दुनिया के सामने मुंह दिखाने के काबिल न रहे।
अब बता, मेरा सेंटर टूटने की आवाज ज्यादा तेज है...
"या तेरा दिल टूटने की!"
हां! हम...हमने खुद सुना है! मैग्नम ने आई.जी.राजन को ध्रुव का असली बाप बताया है!
हाई...
...डैड!
कम सन! तो आज तुमने वह बम फोड़ ही दिया!
आपने ही तो यह बम मेरे हाथ में थमाया था! आपकी ही दी जानकारी ने आज ध्रुव को खत्म कर दिया है।
जानता हूं। पहले नागराज का खतरा दूर हुआ और अब ध्रुव का!

"अब हमको ब्रह्मांड का स्वामी बनने से कोई नहीं रोक सकता!"
"नागराज भी नहीं।"
तो तुम ही वह नागराज हो जिसने इस नगरी को नष्ट करने का आदेश इन क्षुद्र नागों को दिया था।
तब वह आदेश सिर्फ कुछ इमारतों को प्रायोगिक तौर पर तोड़कर उनका परिणाम देखने के लिए था!
पर अब मैं खुद नगरी को पूरा तोड़ने के लिए आया हूं ताकि तुम जैसे और खतरे आकर हमारी धरती को नुक्सान न पहुंचा सकें!

और उनको रोकने का सबसे अच्छा तरीका है उनको भयभीत कर देना।
और उनको भयभीत करने का सबसे अच्छा तरीका है किसी घुसपैठिए की विभत्स मौत का नजारा दिखाना।
तुम्हारी मौत का।
युद्ध का बिगुल बज चुका था।
पूरे द्वीप में चारों तरफ भीषण टकराव हो रहे थे।
यह समय द्वीप पर जाने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए अच्छा नहीं था।
बस, भगवान से ये मनाओ कि अब तक प्लेन सही सलामत हो।

तुझे वीभत्स मौत देने का शौक है पर मैंने कभी जान न लेने की शपथ ली हुई है।
इसीलिए मैं वीभत्स जिंदगी देता हूं। मौत से भी भयंकर जिंदगी!
क्रैक
कर्रड़
तड़
मिसाइल की शक्ति से टकराया था नागराज।
और यह भीषण टक्कर उस नागराज के शरीर की हर हड्डी को चूर-चूर कर देने के लिए पर्याप्त थी।
ऐसी!
जिस स्थिति को तू मौत से बदतर बता रहा है मैं उसी हालत में पैदा हुआ था। हडि्डयां थी ही नहीं मेरे शरीर में।
आज से लगभग हजार वर्ष पूर्व के तक्षक नगर को वारिस की जरूरत थी पर सिहांसन के लालची अन्य वारिसों को कतई नहीं थी। उन्होने रानी ललिता को चुपचाप थोड़ी-थोडी मात्रा में तीव्र जहर दिया ताकि उसकी कोख जल जाए!

पर षडयंत्रकारी ये नहीं जानते थे कि रानी की कोख में भ्रूण आ चुका है। नागराज का भ्रूण! हालांकि विष ने महीनों तक मेरे शरीर को पनपने नहीं दिया! मेरे शरीर का विकास समय के साथ-साथ अलग-अलग दिशा में होता रहा! तीन वर्षों तक मैं मां की कोख में ही रहा!
जैसे ही उनको सच्चाई पता लगी उन्होने तक्षकराज की नजरों में रानी को गिराकर उनको सर्प दंड दिलवा दिया।
आप तो पिछले एक वर्ष से युद्ध पर गए हुए थे भईया। फिर रानी गर्भवती कैसे हो गई? रानी पतिता है, भईया! इस को सर्प दंड दिया जाए!
सर्प दंड यानी परमविषधारी सर्प हलाहलधर की ज्वालामुखी रूपी बांबी में फेंक देने का दंड!
जहां से हर वक्त विष लहरियां ज्वाला के रूप में निकलती रहती थीं।
पर मेरे दुश्मन मां पर एक एहसान कर गए थे। उन्होंने जहर खिला खिलाकर उसके शरीर में प्रतिरोधक क्षमता पैदा कर दी थी। वह विष ज्वाला में जली नहीं। और उसने हलाहलधर की महाबांबी में मुझको जन्म दिया। एक लुंज-पुंज शिशु जिसके शरीर में हड्डियां नहीं थीं!
जन्म लेते ही महाहलाहल विष की फुंकारों ने मेरे शरीर को जहर में बुझाना शुरू कर दिया! मां की कोख ने मुझे तीन वर्षों तक संभाल कर रखा था! मौत को भी शायद कोई जल्दी नहीं थी।
पर विष की लहरों के साथ वहां पर अमृत भी था! मां का दूध। लोग आज तक इसको मात्र मुहावरा समझते हैं। पर उस अमृत का एक घूंट अंदर जाते ही मेरा शरीर प्राणघातक विष और ममतामयी अमृत के बीच में छिड़ा एक युद्ध का मैदान बन गया!

आखिरकार हार विष की हुई! मेरे शरीर में मौजूद दर्जनों तरह के विषकण आज्ञाकारी बच्चों की तरह मां के दुग्ध कणों के साथ आ जुड़े।
पलक झपकते ही मेरा कंकाली तंत्र बनना प्रारंभ हो गया! और मां के दूध की हर घूंट के साथ मैं मौत को अपने से दूर धकेलता गया।
मीलों दूर!
जैसे कि अब तू जा रहा है।
आह!
मां की शक्ति के सामने देव तुल्य महाहलाहल विषधारी हलाहलधर का विष भी फीका पड़ गया था।
उन्होंने ही मुझे मानव होते हुए भी नागगुणों से संपन्न किया और सहस्रधारी होने का वर भी दिया।
वह शक्ति जो सर्पों को हजार वर्षों तक जीवित रहने के पश्चात मिलती है वह मुझे जन्म लेते ही मिल गई थी।
अब तू समझा कि तू मेरी हड्डियां क्यों नहीं तोड़ सकता और मैं तेरी हड्डियों का चूर्ण कैसे बना सकता हूं।

मेरी अष्ट भुजाओं से निकले आठ भिन्न प्रकार के विषों के सम्मिश्रण से ये नागराज कभी उबर नहीं सकता!
अब सागर में ही उसकी समाधि बनेगी!
सागर में नागराज की नहीं।
इस प्राचीन नगरी या यूं कहो कि आयाम नगरी की जल समाधि बनेगी। उधर देख!
सुनामी! पर बगैर भूकंप के सुनामी आना असंभव है।
भूकंप आया तो है।
"नागराज नाम का भूकंप!"
मुझे इस लहर को रोकना होगा।
जमा दूंगा मैं इस जल को।
पर नागराज का प्रयास गलत दिशा में जा रहा था।

क्योंकि पानी की इतनी मात्रा को पूरी तरह से जमा पाना संभव नहीं था और बर्फ द्वारा होने वाली तबाही भी अधिक घातक थी।

विशाल महानगर के एक भाग में भी वही हो रहा था जो प्राचीन नगरी में घट रहा था।
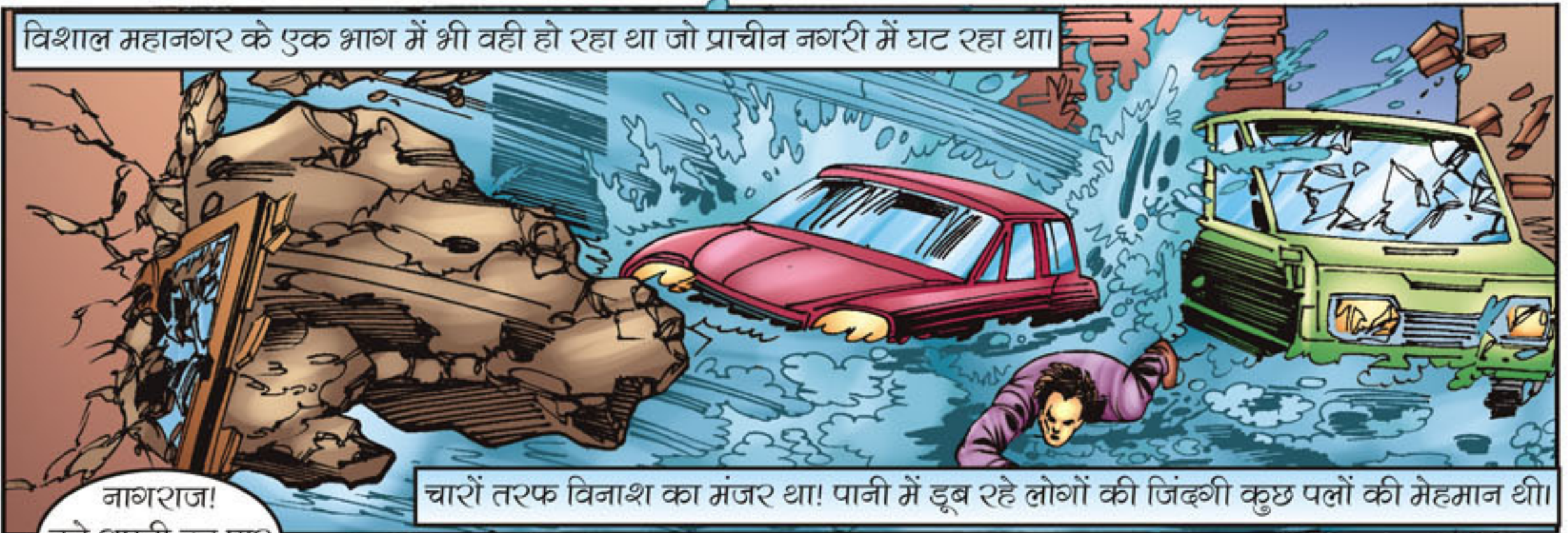
चारों तरफ विनाश का मंजर था! पानी में डूब रहे लोगों की जिंदगी कुछ पलों की मेहमान थी।

नागराज! तूने अपनी हद पार कर दी है।

अब मैं अपनी हद पार करूंगा और तू जिंदगी की हद पार कर जाएगा।

पर पहले मुझे...

इस विनाश को पलटना होगा!
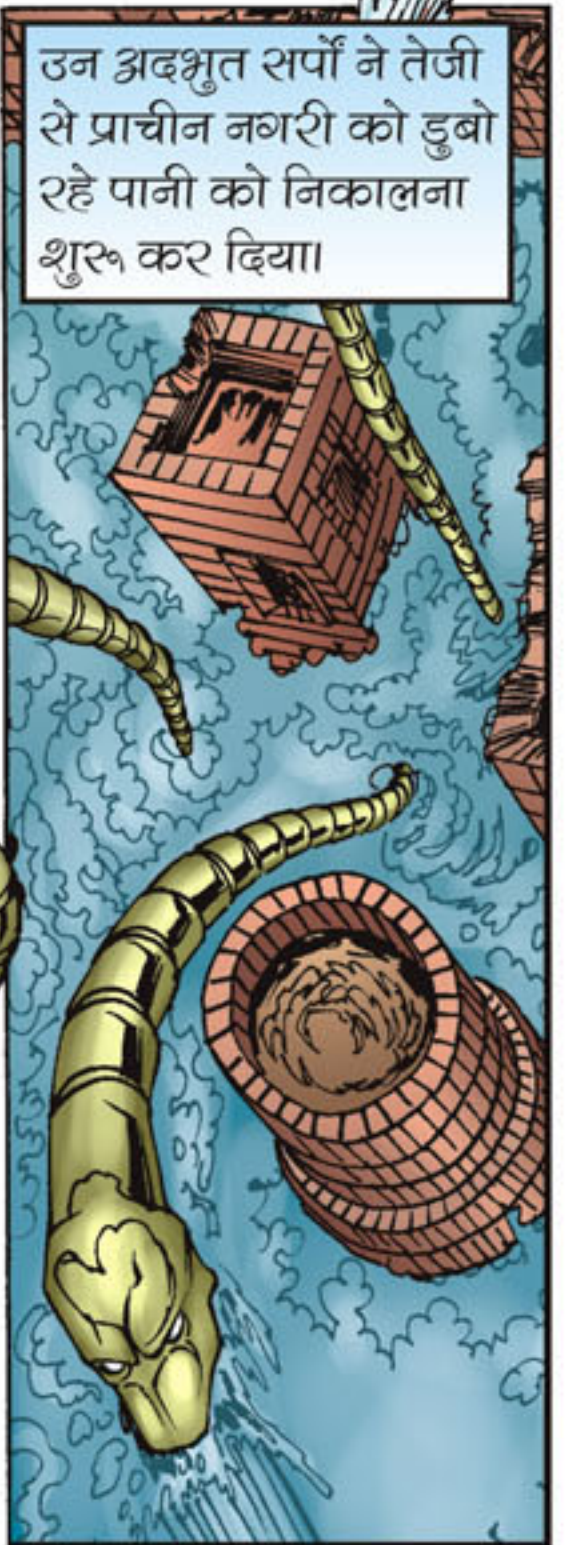
उन अदभुत सर्पों ने तेजी से प्राचीन नगरी को डुबो रहे पानी को निकालना शुरू कर दिया।

ये सहस्रधारी शक्ति है। मेरा शरीर इस ब्रह्मांड के सबसे कड़े पदार्थ में बदल चुका है।
इसका एक हल्का सा वार भी तुझे विखंडित कर देगा?
अरे! कहां गया?
यहां पर! तुम्हारे ठीक पीछे! जरा देखूं कि ब्रह्मांड की सबसे कड़ी धातु का गलनांक क्या है।
ये ऊष्मा को ग्रहण नहीं करती। अब तुम अपने पीछे देखो।
ये तब तक तुम्हारा पीछा नहीं छोड़ेगा...
"जब तक कि ये तुमको विखंडित नहीं कर देता!"
गलती कर गए न, नागराज! पहले मान जाते तो दुनिया वालों को कम से कम तुम्हारी लाश तो मिल जाती।
अब तो उनको तुम्हारी धूल तक नहीं मिलेगी।
सही कहा! धूल मिलेगी भी कैसे?

मैं नहाता जो रहता हूं! बदन पर धूल को टिकने ही नहीं देता!
तु...तुम बच गए! पर कैसे? ये...ये असंभव है।
कड़ड़ाक
ये कैसा चमत्कार है? तुमको अब मैं खुद मारूंगा।
नागराज ने उस वार से बचने की कोई चेष्टा नहीं की।
ये...ये क्या हो रहा है! मेरे शरीर में वायब्रेशन क्यों पैदा हो रहे हैं? तेज कंपन
जैसे...जैसे मेरा शरीर टूटकर अलग हो जाएगा!

Amaan.cooldude18
हो ही जाएगा। अगर तूने अपने इस रूप को छोड़ा नहीं तो।
पहली बार तो मैं इच्छाधारी कणों में बदल कर तुम्हारे वार से बचा था पर बार-बार ऐसा कर पाना संभव नहीं था। इसीलिए मैंने अपने शरीर कणों को ठोस रबर में बदल लिया! जिसको तोड़ पाना तो दूर, बल्कि उस पर वार करते ही तुम्हारे घूंसों में ऐसी कंपन पैदा हुई, जिससे वे खुद चूर-चूर हो गए!
ठोस रबर से जब धातु टकराती है तो ऐसा ही कंपन पैदा होता है...
जैसा कि तुम इस वक्त खुद महसूस कर सकते हो!
ये...ये कंपन मैं रोक नहीं पा रहा हूं!
ओफ! मेरे प्रतिवार का असर इतना घातक होगा यह मैंने सोचा भी नहीं था।
मुझे इसको इस स्थिति से निकालना होगा।
क्योंकि मैंने ही इसको इस स्थिति में डाला है।
मेरे...मेरे शरीर के अंग टूट कर अलग हो रहे हैं।
नागराज के रबर से बने लचीले शरीर द्वारा उन कंपनों को सोख लेना एक सामान्य प्रक्रिया होनी चाहिए थी।
पर यह स्थिति सामान्य नहीं थी क्योंकि अगर महाधातु से महारबर टकराया था, तो कंपन भी महाकंपन होने तय थे।
आऽऽऽऽऽह! मेरा लचीला शरीर कंपनों को सोखने के बजाय उनको डायफ्राम की तरह काम करके और तेज कर रहा है!!
अब तो मुझे भी अपने शरीर के कण अलग होते महसूस हो रहे हैं।
स्थिति अभी और भयंकर होने वाली थी। कंपन हवा में फैल कर...
प्राचीन नगरी की जर्जर दीवारों से टकरा रहे थे।
नतीजा संपूर्ण विनाश था।
नागराज जिस कारण के निवारण के लिए आया था अब वह स्वयं उस का कारण बन गया था।

विनाश तीव्र था।
इसीलिए इसको रोकने के लिए चाहिए था-
उतना ही तीव्र प्रतिरोध!
स्थिति तो कुछ खास समझ में आई नहीं, पर इनके कंपनों को रोकने का एक यही तरीका समझ में आया कि इनको पानी के हवाले कर दिया जाए!
पानी कंपनों को बहुत तेजी से शिथिल कर देता है।
वैसे इन कंपनों ने मेरा नया कॉप्टर प्लेन तोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी।
आह! बचाने की कोशिश करने के लिए धन्यवाद!
मुझे पता नहीं था कि मेरा वार घातक हो जाएगा।
पहली बार किसी बराबर वाले से टक्कर हुई है। वर्ना आज तक तो मुझे अपनी शक्ति के इस स्तर का अंदाजा तक नहीं था।
पर हम दोनों को बचाने के लिए वह मलबे का टुकड़ा जरूर ईश्वर ने ही भेजा था।
हमारे बीच में युद्ध सिर्फ विनाश लाएगा! और ऐसा हम दोनों में से कोई नहीं चाहता!
ईश्वर ने ही भेजा था...
...पर ध्रुव के हाथों से।
ध्रुव!!
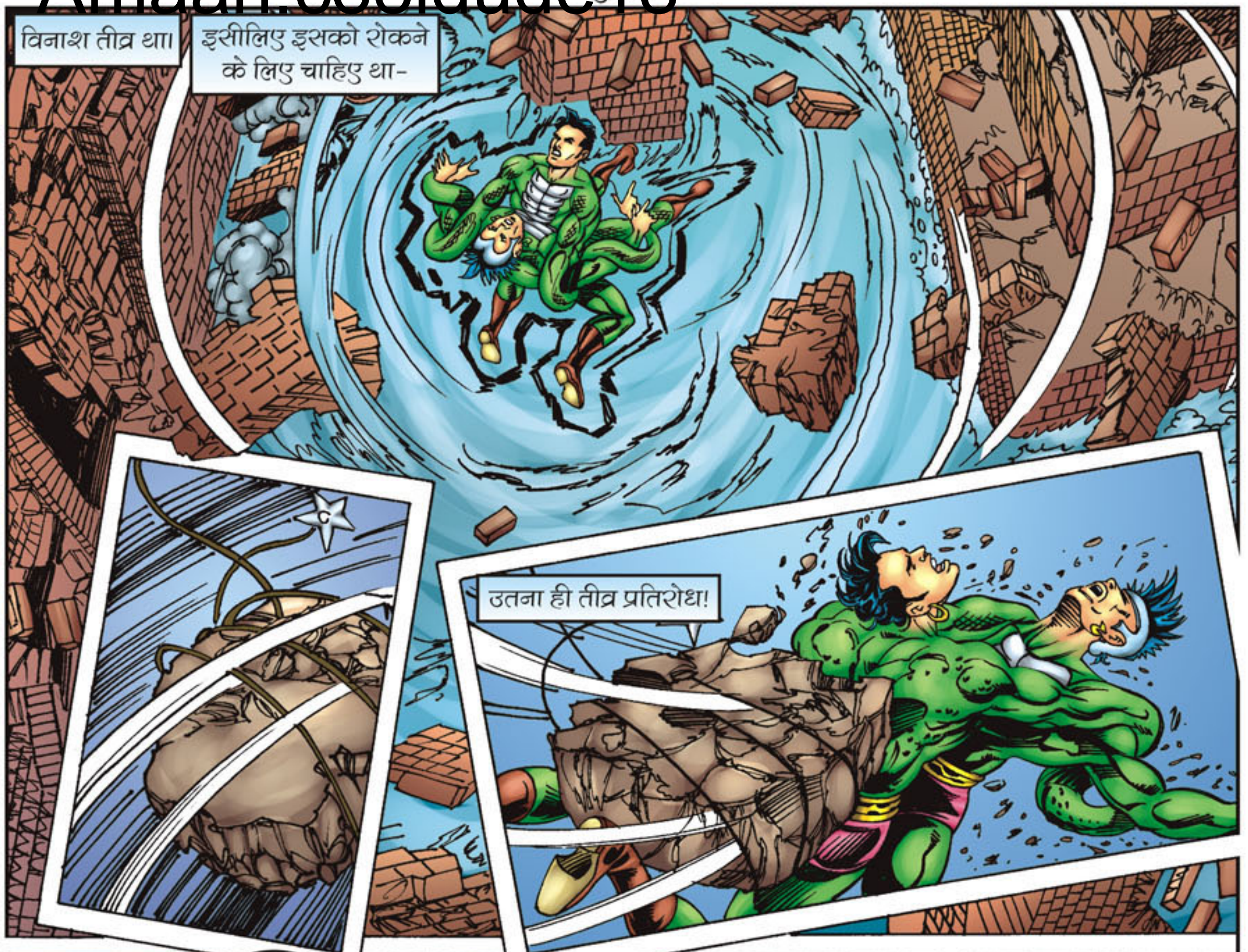
वाऊ! दो दो नागराज!! और साथ में नागरानी भी!
ये प्राचीन नगरी के अवशेष हैं या जादूगर का स्टेज!
ध्रुव!! इतनी सहजता से इतनी बड़ी मुसीबत को तुम ही टाल सकते हो।

ऐसा ही एक ध्रुव हमारे आयाम में भी है। इतना तो तुम समझ गए होगे कि मैं दूसरे आयाम से आया हूं।
आयामों के प्रभाव और दुष्प्रभाव के बारे में हम तब से जानते हैं जब से नागरानी के आयाम का ब्रह्मांड हमारे आयाम से टकराया था!
परंतु उस बार उसका असर लगभग पूरी धरती पर देखा गया था! इस बार यह प्रभाव इस पुरानी नगरी तक ही सीमित है। क्या रहस्य है इसका?

रहस्य जानने के लिए ही तो हम एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं।
और उसके लिए पहले मुझे तुमसे यह जानना है कि तुम्हारे आयाम में इसकी शुरुआत कैसे हुई?

एक भीषण भूंकप से यह द्वीप समुद्र के बाहर आ गया। इसके पहले तो हम इसके बारे में जानते तक नहीं थे। फिर एका-एक इस पर अजीबोगरीब जीवों का प्रकट होना और गायब होना शुरू हो गया। फिर उनको बचाने के लिए तुम आ धमके!

समझा। मैग्नम ने उसी भूंकप का फायदा उठाया। वह इसी मौके की तलाश में था।
कैसा मौका!
हमारे आयाम को बरबाद करने का मौका।
समझाने के लिए कहानी शुरू से सुनानी पड़ेगी।
तुम्हारे आयाम के विपरीत हमारे आयाम में सभ्यता और तकनीक का आगमन जल्दी हुआ! लगभग बीस हजार वर्ष पूर्व हम बड़ी-बड़ी नगरियां बनाकर रहने लगे थे।
पर सिर्फ नक्शों या मॉडलों से उन नगरियों में रहने की दिक्कतों का पता नहीं चलता था। वह तभी पता चलता था...
जब हम वहां पर पूरी तरह से रहने लगते थे। कई बार हमको उन नगरियों को छोड़ना पड़ा और नष्ट करना पड़ा।
ऐसा न हो उसका एक ही तरीका था। नगरियों को वास्तविक रूप में छोटे पैमाने पर बनाया जाए।
पर हमारी धरती पर आबादी और जमीन की कीमत बहुत अधिक होने के कारण इतनी जगह मिल पाना संभव नहीं था।
इसीलिए हमने यह काम चांद पर करने की सोची। पर वहां पर ज्यादा दिनों तक रह पाना संभव नहीं था।
नगरियों पर नगरियां उजड़ रही थीं और पूरी धरती के वैज्ञानिक इसी समस्या पर काम कर रहे थे।
"आज से लगभग 12 हजार वर्ष पहले हमने फ्रीक्वेंसी एनालाईजर का आविष्कार किया!"
"फ्रीक्वेंसी एनालाईजर परमाणुओं के कंपनों को पकड़ सकता था"
"और उन कंपनों की फ्रीक्वेंसी को बढ़ा-घटा सकता था!"
"पहले ही प्रयोग में आश्चर्यजनक नतीजे सामने आए!"
"एक वालंटियर सैनिक के शरीर के अणुओं की फ्रीक्वेंसी जैसे ही बदली गई। उसने अपने आपको एक नई दुनिया में पाया।"
"दरअसल उसके शरीर के अणु दूसरे आयाम के अणुओं की फ्रीक्वेंसी से मैच कर गए थे।"

हमारे सामने एक नई दुनिया का रास्ता खुल गया था। अब हमारे पास धरतियों की कोई कमी नहीं थी और वह भी बिना अपनी धरती से बाहर कदम रखे!
पर हम अपनी खुशी में खतरों को नजर अंदाज कर रहे थे।
कई ऐसे प्रयासों में दूसरी धरतियों पर मौजूद घातक पशुओं या भयानक प्राकृतिक आपदाओं ने हमारी कई स्काऊट टीमों को खत्म कर दिया!
ऐसा इस कारण से हुआ क्योंकि हर आयाम में हमारे जैसी एक धरती तो थी...
पर विकास के भिन्न-भिन्न चरणों में थी!
ऐसी असंख्य धरतियों में अपने काम लायक धरती को ढूंढ़ पाना असंभव कार्य लग रहा था।
पर तभी हमको इस धरती का पता चला।
"उस वक्त भी तुम्हारी धरती पर मानव थे पर दूर-दूर बसे हुए और हमारे काम में व्यवधान डालने वाला कोई नहीं था।"
"अपने आयाम से सारा सामान लाकर हमने यहां पर ऐसी नगरियों के कई मॉडल बनाए! कुछ दिन तक उनमें रहकर उनकी खूबियों और कमियों को जाना और फिर उसे छोड़कर उसके अनुरूप अपने आयाम में नगरियां बसाईं।"
ओह! तो वे रहस्यमय प्राचीन नगरियां जिसमें रहने वालों के बारे में हम कुछ नहीं जानते और उनकी भाषा अभी तक नहीं पढ़ पाए वो तुम लोगों ने बसाईं थीं।
सारी नहीं। कुछ नगरियां तुम्हारे आयाम के मानवों ने स्वयं भी बनाईं थीं।
यानी...ये महाविशाल नगर द्वीप तुम लोगों द्वारा बनाया गया नगर का मॉडल था!!
हां। और ये हमारी परेशानी की जड़ बन गया है।
क्योंकि आज हमारी आबादी का सबसे बड़ा हिस्सा जिस महानगर में रहता है, वह इसी मॉडल का एक प्रतिरूप है। कई इमारत बदल भी गई हैं। पर फिर भी उनकी नीवें अभी भी वहां मौजूद हैं।
इस कारण हमारा महानगर अभी भी इस प्राचीन नगरी का प्रतिरूप बना हुआ है।
इसी का फायदा उठा कर हमारे आयाम के मोस्ट वांटेड अपराधी मैग्नम ने हजारों साल पहले प्रतिबंधित हो चुके फ्रीक्वेंसी एनालाईजर को पुनर्जीवित किया और हमारे महानगर की परमाणु फ्रीक्वेंसी को इस मॉडल की फ्रीक्वेंसी से मैच करा दिया।

इससे दोनों नगर आपस में ऐसे जुड़ गए हैं कि प्राचीन नगरी में जो कुछ भी होता है, उसका सीधा असर अब महानगर वासियों पर होता है जिनकी रक्षा करने की मैंने शपथ ली हुई है।
इसीलिए मुझे इस नगरी की रक्षा करने के लिए अपने आयाम से यहां पर आना पड़ा और तुमसे टकराना पड़ा।
मैग्नम ने जरूर किसी शक्तिशाली फ्रीक्वेंसी एनालाईजर के द्वारा ऐसा किया है और वह फ्रीक्वेंसी एनालाईजर कहीं आस-पास ही है।
एक मिनट! तुम्हारे आने से पहले मैं तुम्हारे आयाम के एक अजीबोगरीब शख्स से टकराया था।
वह इस द्वीप की भूमि में कुछ दबाने की कोशिश कर रहा था।
वह जरूर वही यंत्र होगा। तुमको वह जगह याद है?
हां।
तो चलो, दिखाओ मुझे! वह यंत्र नष्ट करते ही महानगर मैग्नम की कैद से आजाद हो जाएगा!
क्या मैग्नम इतना बेवकूफ है कि वह ऐसी आसान चाल चलेगा? या मामला जितना नजर आ रहा है, उस से कहीं ज्यादा गहरा है।
मनचाही रिपोर्ट आ रही है, डैड! नागराज फ्रीक्वेंसी एनालाईजर ढूंढने के लिए जा रहा है।
यानी फ्रीक्वेंसी एनालाईजर कुछ ही देर का मेहमान है! तुम्हारे पास ज्यादा वक्त नहीं है।
तुम असली प्लान के लिए तैयार हो?
"आखिर इस प्लान पर मैं पिछले तीन वर्षों से काम कर रहा हूं।"
बिल्कुल डैड!
नागराज जिस समस्या को कम होता समझ रहा है वह अभी और बढ़ने वाली है।
पर तुम एकाएक कैसे आ गए ध्रुव!
अपना कॉप्टर प्लेन लेने के लिए। दरअसल मैं स्विट्जरलैंड जा रहा था! हैड्रॉन कॉलाइडर लैब के प्रोजेक्ट इंचार्ज से मिलने।

हैड्रॉन कॉलाइडर!! तुम लोग यहां हैड्रॉन कॉलाइडर बना रहे हो।

हां! पर इसमें इतना चौंकने की क्या बात है?

अ...कुछ खास नहीं। हो सकता है कि जहां पर हम असफल हो गए वहां पर तुम लोग सफल हो जाओ।

तुम लोग हैड्रॉन कॉलाइडर जैसी मशीन बना चुके हो।

और हजारों साल पहले बैन भी कर चुके हैं।

कमाल का संयोग है कि हमने भी उसका नाम हैड्रॉन कॉलाइडर ही रखा था।

तुम लोग असफल कैसे हो गए। क्या गड़बड़ हुई थी।

हैड्रॉन कॉलाइडर के स्टार्ट के कुछ ही हफ्तों के अंदर हमारी धरती पर आने वाली प्राकृतिक आपदाओं की तादाद बढ़ गई थी।

वैज्ञानिक कारण तो किसी को नहीं पता पर पब्लिक प्रेशर के कारण प्रोजेक्ट बीच में ही रोकना पड़ा।

लोगों को लग रहा था कि भूकंप और तूफानों में हो रही तीव्र वृद्धि का कारण हैड्रॉन कॉलाइडर ही है!

सिर्फ निराधार पब्लिक प्रेशर के कारण इतना बड़ा प्रोजेक्ट बंद कर दिया गया?

नहीं। कुछ वैज्ञानिकों का यह भी मानना था इस प्रयोग के कारण पृथ्वी के केंद्र में ब्लैक होल भी पैदा हो सकता है।

धप्प

नागराज!!

ये...ये क्या हो रहा है।
मैं इसी खतरे से डर रहा था। अब इस आयाम का कनेक्शन दूसरे आयामों से भी तेजी से जुड़ने लगा है।
चूंकि यहां पर सिर्फ हम मौजूद हैं इसीलिए अभी हमारे दूसरे रूप ही इस खिंचाव के कारण यहां आ रहे हैं।
और ये कह पाना असंभव है कि इनमे से हर नागराज या ध्रुव का व्यवहार हमारी तरह का ही होगा।

ये क्या हो रहा है। मैं तो अजड़वाज को बस काबू में करने ही वाला था! पर ये कैसा षडयंत्र है। जरूर तुम लोग उसी की माया शक्ति का एक हिस्सा हो!

नागराज इस आयाम को छिन्न भिन्न कर देगा।

इसको ये सिचुएशन समझाने में समय लगेगा कि यहां पर क्या हो रहा है।

सिर्फ इसको ही नहीं और नागराज और ध्रुव भी तो हैं। सब की सोच अलग-अलग होगी। ओफ् मैंने तो सोचा था कि फ्रीक्वेंसी एनालाइजर को ढूंढना और नष्ट करना बच्चों का खेल होगा। पर अब तो पहले हमें यहां की इमारतों की सुरक्षा के बारे में सोचना पड़ेगा।

इसी स्थिति से बचने के लिए मैं इस नगरी को नष्ट करना चाहता था।

तुम लोग यहां की स्थिति को संभाल लो!

मैं अपना प्लेन टूटने से पहले यहां से निकल लूं।

तुम ध्रुव होकर मुसीबत में हमारा साथ छोड़ कर जा रहे हो?

एक पल रुकें, श्रीमान! पहले हमें यहां की स्थिति से अवगत करा दें। फिर प्रस्थान की सोचें।

ओफ्! इसको मैं अगर समझा भी पाया तो समझाने में कीमती वक्त निकल जाएगा।

इसे टालना होगा।

मैं क्या बताऊं? मैं तो खुद ही एक अपराधी का पीछा कर रहा था कि अचानक अपने आपको यहां पर पाया।

तुम झूठ बोल रहे हो।

झूठ? नहीं तो। ऐसा तुम क्यों सोच रहे हो।

क्योंकि तुम इधर-उधर नहीं देख रहे हो। तुम्हारी चाल ठिठक नहीं रही है।

यानी तुम जानते हो कि तुमको कहां जाना है और क्या करना है।

तुम इसी स्थान के हो!

सॉरी मैं तो भूल ही गया था कि मैं ध्रुव से ही बात कर रहा हूं।

पर फिलहाल मुझे जाना होगा।

जाना तो हमें भी है। गए तो साथ जाएंगे वर्ना कोई भी नहीं जाएगा!

तुम लोग तभी जा पाओगे जब मैं जा पाऊंगा इस रहस्य को सुलझाने के लिए। वर्ना अभी दस बारह ध्रुव और आ धमकेंगे।
मैं भला किस किस को समझाऊंगा।
ध्रुव ने मुसीबत मोल ले ली थी।
क्योंकि हर ध्रुव युद्ध कौशल में ध्रुव जितना ही माहिर था।
बस वे अभी स्थिति को न समझ पाने के कारण थोड़े भ्रमित जरूर थे।
आऊ! ये...ये क्या? ध्रुव तो पशु, पक्षियों के साथ रहता है या पशु, पक्षी ध्रुव में रहते हैं?
मजबूरी थी! इनका नामोनिशान मिटता जा रहा था।
तो इनका जेनेटिकल कोड अपने बदन में डालना पड़ा!
मामला तो खिंचता जा रहा है। इतनी देर में तो मैं इनको समझा लेता।
ओह! मैं स्टार ब्लेड्स लोड रखता हूं तो ये एक्यूप्रेशर नीडल्स लोड रखता है। गुड आइडिया!
पर अपने ऊपर आजमाने में खतरा है।
लड़ाई बराबर की नहीं थी। एक के सामने दो ध्रुव थे! पर एक ध्रुव के पास एक ट्रंप कार्ड था!
श्वेता!
एक मिनट! एक मिनट! तुम सारे ध्रुव हो! तो मुझको जरूर जानते होगे।
मैं श्वेता हूं!
श्वेता! माई गॉड! यहां श्वेता भी है।
यहां भी ये मुसीबत है।

है न! जितने ध्रुव होंगे उतनी श्वेता होंगी।
मुझसे पंगा लो।
नो वे।
क..कदापि नहीं! मैं दिमाग से लड़ता हूं। दिमाग ही खत्म हो गया तो कैसे लड़ूंगा।

इसे जाने दें?
जाने दो! श्वेता के चक्कर में कौन पड़ेगा। हम अपना रास्ता खुद ढूंढ लेंगे।

रास्ता ढूंढा तभी जा सकता था। जब कोई रास्ता बचता।
SYNC.....
काम तेजी से पूरा हो रहा है! मूर्ख नागराज समझ रहा है कि दोनों आयामों की नगरियों की फ्रीक्वेंसी मिलाकर मैं महानगर को मटियामेट करना चाहता हूं।
पर वह यह नहीं समझ पाया कि मैग्नम इतनी छोटी सोच कभी सोचता ही नहीं!
अब बस पांच सेकेंड्स और फिर पूरा ब्रह्मांड मेरी मुट्ठी में...

ये...ये क्या? प्रोग्रेस बीच में रुक कैसे गई।
बोजल! क्या गड़बड़ हो रही है। अगर इस वक्त कोई गड़बड़ी हुई तो मेरे हाथों से कोई जिंदा नहीं बचेगा!

गड़बड़ हमारी तरफ से नहीं है ग्रेट मैग्नम! पर फ्रीक्वेंसी में गड़बड़ हो रही है।
किन्हीं दो आयामों की फ्रीक्वेंसी में शॉर्ट सर्किट हो रहा है।

कौन से दो आयाम?
एक तो प्राचीन नगरी की धरती का आयाम और दूसरा नागरानी वाला आयाम।
एक खास फ्रीक्वेंसी हमको दोनों आयामों से मिल रही है। प्राचीन नगरी वाली धरती के नागराज की फ्रीक्वेंसी।

पर ये तो असंभव है! किन्हीं दो आयाम की वस्तुएं एक ही फ्रीक्वेंसी पर हो ही नहीं सकती!
अब क्या करना है। मुझे तो लगता है कि फिर शुरू से काम करना पड़ेगा।
नहीं! एक सीधा रास्ता है। अगर वह फ्रीक्वेंसी उस नागराज की है तो उस फ्रीक्वेंसी को बंद करना होगा!
ध्रुव को तो मैंने मार ही दिया है अब नागराज को भी मरना होगा।
ये...ये कैसी बात कर रहा है। हमारे होने वाले दामाद को समझाओ नताशा!
कूल डाउन डार्लिंग नागराज को मारने से आसान प्रोजेक्ट को फिर से शुरू करना होगा।
किसी भी नागराज को मारना लगभग अंसभव है
तुम्हारे लिए होगा, हमारे लिए होगा...
पर हमारे नागराज के लिए नहीं होगा।
अब अगर हमारे नागराज को इस महानगर और इसके वासियों को बचाए रखने की शपथ पूरी करनी है...
"तो उसे नागराज को मारना होगा।"
"उसके मरते ही फ्रीक्वेंसी बंद हो जाएगी। शॉर्ट सर्किट खत्म हो जाएगा।"
"और उसके साथ-साथ मेरे सामने आ सकने वाली हर चुनौती भी।"
"क्योंकि तब ब्रह्मांड का नया सृष्टिकर्ता मैं होऊंगा!"
"दी ग्रेट गॉड मैग्नम।"

मैग्नम के ख्याली सिंहासन के पायों को काटने की योजना पर कोशिश जारी थी।
हम कितनी देर में जिनेवा पहुंच जाएंगे?
ये प्लेन सुपर सोनिक स्पीड से उड़ सकता है। फिर भी कम से कम दो ढाई घंटे तो लग ही जाएंगे!
तब तक क्या नागराज दूसरे नागराजों का रोक कर रख पाएगा।
जरूर रख पाएगा।
"क्योंकि वह अकेला नहीं है। उसके साथ एक दूसरा नागराज भी मौजूद है।"
ये तुम क्या कह रहे हो।
आसान सी बात है। एक जान के बदले में तीन सौ करोड़ जानें सौदा सस्ता है।
एक नागराज से दूसरा नागराज लड़ेगा। तो लड़ाई तो लंबी खिंचेगी ही। लेकिन अगर एक से दस लड़ेंगे तो नागराज भी मर जाएगा और कोई तोड़ फोड़ नहीं होगी।
ये असंभव है। हम दोनों के युद्ध में ही ये नगर तबाह हो जाएगा! फिर बचाने को बचेगा क्या?
ये क्या बकवास है। यह हमारी लड़ाई नहीं है। और न ही इनसे हमारी कोई दुश्मनी है!
जान लेने लायक शख्स तो तुम लग रहे हो।
मेरी जान लेने से तुम वापस नहीं जा पाओगे। तुम्हारे यहां पर आने का कारण इस नागराज का यहां मौजूद होना है।
इसको रास्ते से हटा कर तुम सब अपने अपने काम पर वापस जा सकते हो!
मैं अगर समय पर वापस नहीं जा पाया तो पृथ्वी को डार्क शैडो के हमले से कोई नहीं बचा पाएगा! धरती हमेशा के लिए अंधेरे में डूब जाएगी।
बट्टान ने आकाश से नुकीली चट्टानों की वर्षा शुरू कर दी तो महानगर एक महाश्मशान बन जाएगा।
वापस तो जाना ही होगा और वो भी जल्दी।
और उसके लिए फिलहाल जो भी रास्ता हमारे सामने है...
आह
तो उसे अजमाना तो पड़ेगा ही!
गुड!
जल्दी ही तुम सबका मकसद पूरा हो जाएगा और मेरा भी।

एक मिनट! तुम्हारी बात पर भरोसा करने का कोई कारण तो नहीं है। लेकिन फिर भी क्या उस नागराज के मरने से हम भी वापस लौट जाएंगे!

ऊऽऽऽऽम नहीं!

क्योंकि तुम्हारे यहां पर आने का कारण नागराज नहीं...

ध्रुव है!

तुम्हें ध्रुव को रोकना होगा! उसके शरीर से सांसों को अलग करना होगा! और इसके लिए तुमको उसे ढूंढने की जरूरत नहीं है...

वह तुमको खुद ही अपने पास खींच लेगा।

यस! कोई हैकर वहां से हमारी लैब का गुप्त और संसेटिव डाटा चुरा रहा था। हमने तो लोकल पुलिस को सिर्फ उसका आई. पी. एड्रेस दिया था।

गुड! मैं खुद भी जानना चाहता हूं उस सीडी के बारे में।

यानी आप उस आदमी के बारे में कुछ भी नहीं जानते!

नहीं!

उस आदमी पर एक अजीबोगरीब प्राणी ने हमला किया और बेहोश होते होते उसने मुझे एक सीडी दी। जो जल गई थी।

पर मेरी साईबर कंमाडो यूनिट को भरोसा है कि वे उसमें से थोड़ा बहुत डाटा अभी निकाल लेंगे!

फिर उसके हाथ में बिल्कुल आप जैसी अंगूठी कैसे थी?

ओ! ये अंगूठी अरे मेरे इस अंगूठी वाले हाथ की तस्वीर कई जगह छप चुकी है और नेट पर भी है। ऐसी अंगूठी तो कोई भी बनवा सकता है।

क्या मैं आपकी अंगूठी देख सकता हूं?

हां क्यों नहीं। देखो।

उस आदमी ने ऐसी क्या जानकारी चुराई होगी जिसको पाने के लिए वह अजीबोगरीब प्राणी उसे मारने तक को तैयार था।

आओ! बात दिखाने की है। बताने की नहीं।

यहां पर हम आज तक का सबसे बड़ा और सबसे महंगा प्रयोग कर रहे हैं। अणु कणों को आपस में टकरा कर और उनको तोड़कर नए कणों का पता लगाना और ब्रह्मांड के सृष्टि के रहस्यों का पता करना!

देखो! ये है वह ट्यूब जिसमें प्रोटॉन प्रकाश की गति से घूमते और टकराते हैं।

इससे ऐसे ऐसे कण पैदा होते हैं जिनका रहस्य अगर गलत हाथों में पड़ जाए तो हमारी दुनिया तो क्या पूरे ब्रह्मांड को खतरा हो सकता है।

जैसे ब्लैक होल!

हमारे मानव इतिहास में...
वैज्ञानिक मैं हूं या तुम? ऐसा प्रयोग मानव इतिहास में पहली बार हो रहा है।
हां बनते हैं। पहले भी बन चुके हैं और उस कारण यह प्रयोग बंद भी किया जा चुका है।
अरे! वे अफवाहे हैं। ब्लैक होल कहीं ऐसे बनते हैं।
ये...ये क्या बकवास है।
तुम्हारे में नहीं।
बनने की कोशिश बेकार है डाक्टर सिरी! तुम डाक्टर सिरी तो हो, पर दूसरे डायमेंशन से।
इम्पोसिबल। जो पिछले तीन सालो में कोई नहीं समझ पाया। उसे तुम तीन मिनट में समझ गए। पर कैसे?
तुम्हारी अंगूठी ने तुमको धोखा दे दिया।
तुम्हारे अनुसार ये अंगूठी तुम बहुत पहले से पहनते आ रहे हो। पर तुम्हारी उंगली पर पड़ा अंगूठी का निशान ज्यादा पुराना नहीं था।
इससे कहीं ज्यादा पुराना निशान उस शख्स की उंगली पर था। जो अस्पताल में पड़ा है।
यानी वह असली प्रोफेसर सिरी है जिसकी जगह तुमने ले ली है।
गुड, गुड, गुड!! ध्रुव से यही उम्मीद थी मुझे।
उस सिरी को मैंने तीन साल तक अपनी कैद में रखा आखिर वह ही तो मार खा खाकर लैब को सेट करने के रास्ते बताता था।
लेकिन पता नहीं कैसे वह भाग निकला। और वह भी हमारी प्लानिंग की सीडी लेकर। पर कोई बात नहीं! ये मैग्नम का प्लान है। गलत होते ही सही कर लिया जाता है।
मेरे रहते गलत, गलत ही रहेगा!
तो गलत को सही...
मैं करूंगी!
मैगी! तू...तू तो...!!
डियर श्वेता, माई बेस्ट फ्रेंड! मैं आई ही सिरी की मदद करने के लिए थी। जैसे ही मुझे पता चला कि असली सिरी भाग निकला है। मै फटाफट तेरे पास राजनगर आ गई।

एव शॉक
क्योंकि मुझे पता था कि हमारे काम में कोई अड़ंगा डालेगा तो सिर्फ और सिर्फ ध्रुव! योर ब्रदर!
तूने मेरे ब्रदर पर हाथ उठाकर मुसीबत मोल ले ही है, मैगी।
श्वेता नाम की मुसीबत!
गुड! अभी थोड़ी देर तक पिटता हूं। फिर श्वेता मुझे बचाने की कोशिश जरूर करेगी और कम से कम इसी बहाने श्वेता और चंडिका का रहस्य खुल जाएगा।
आऊSSS! मर गया रे।
सुना श्वेता! मैं मर गया रे!!
श्वेता!!
ओफ्! ये मैंने क्या किया। यह सोचा ही नहीं कि अगर श्वेता, चंडिका न हुई तो क्या होगा।
अब मैं इसको और बड़ा खतरा बनने नहीं दूंगा।।
मैगी को मैग्नम ने सोच समझकर ही ध्रुव के साथ लगाया था।
ये...ये क्या? जीरो ग्रेविटी!! क्या ये हैड्रॉन कॉलाइडर का साइड इफैक्ट है।
सही समझे!
हम ब्रह्मांड बनने के ठीक पहले के रहस्यों को ढूंढ रहे थे! उससे पहले ग्रेविटी नहीं थी। इसीलिए अगर गुरुत्व बना तो उसकी काट भी साथ ही पैदा होनी तो तय थी! यानी जीरो ग्रेविटी और साथ ही इसका दूसरा रूप पैदा हुआ।

ब्लैक होल!
इसकी गुरुत्व शक्ति को फोकस करके ही मैं उस प्राचीन नगरी को खींच कर समुद्र की सतह पर लाया था!
हे...हे भगवान! इसकी गुरुत्व शक्ति तो पूरी पृथ्वी को भी निगल सकती है।
अभी ये हमारे नियंत्रण में है! पर हां ऐसा संभव जरूर है।
तो फिर इस संभावना को खत्म करना होगा! हमारी पृथ्वी कोई प्रयोगशाला नहीं है।
आज हारेगी!
फिलहाल तो तुम अपने बचने की संभावना पर विचार करो।
व्हर्लपूल आज तक किसी से हारी नहीं है।
पर कैसे? ये अपनी हैट को हेलीकॉप्टर के पंख की तरह यूज करके तेज गति से उड़कर वार कर रही है! आह!! समझा!
इस हैट कॉप्टर को गिराना होगा!
और किसी भी हैलीकाप्टर को गिराने का सबसे सीधा तरीका है उसकी दुम में लगे दिशा नियंत्रक रडर को तोड़ देना!
और ये अपने पैरों का इस्तेमाल रडर की तरह कर रही है।

अच्छा हुआ तरीका काम आ गया! वर्ना लड़की किसी भी आयाम की हो मैं उस पर हाथ नहीं उठाता!
अब मुझे श्वेता को देखना है! कहीं उसको ज्यादा चोट न आई हो। मैं भी कैसा शक्की हूं! हर समय बेचारी पर चंडिका होने का शक करता हूं।
ओह! थैंक गॉड! श्वेता बेहोश है, पर ठीक है।
तूने...तूने व्हर्लपूल को इतनी आसानी से हरा दिया!!
अब इतनी ही आसानी से मैं तुम्हारे किए कराए पर पानी फेर दूंगा! अब या तो ये ब्लैक होल नष्ट होगा! या मेरे साथ-साथ तुमको भी निगल लेगा।
नहीं! ऐसा मत करना! अगर हमने इस वक्त यहां पर एक पेंच को भी हिलाया तो ब्लैक होल बेकाबू हो जाएगा! पूरी तरह से!!
तो फिर इसको बंद करो। सुनियोजित तरीके से! वर्ना...
वर्ना
वर्ना?
वर्ना!!
तुम...तुम सब यहां कैसे आ गए? क्या चाहते हो तुम लोग मुझसे?
तुमने कहा था न कि तुम हम को वापस भेजने का तरीका ढूंढने जा रहे हो! हम वही पूछने आए हैं।
और हम बहुत जल्दी में हैं। गुस्से में भी।
तुम लोगों को वापस भेजने का एक ही तरीका है।

इस हैड्रॉन कॉलाइडर को बंद करना! इससे उस प्राचीन नगरी पर गुरुत्व खिंचाव कम हो जाएगा और वह फिर से पानी के नीचे चली जाएगी!
साथ ही साथ तुम लोग भी वापस अपने-अपने स्थानों पर पहुंच जाओगे।
नहीं! इसकी बात का यकीन मत करना अगर हेड्रॉन बंद हो गया तो तुम लोग हमेशा के लिए यहीं पर रह जाओगे।
तुमको वापस भेजने का तरीका मैं सोचता हूं। मैं एक वैज्ञानिक हूं। ये नहीं है!
बस, तुम लोग इसको मशीन बंद मत करने देना!
ये झूठ बोल रहा है। मशीन तो बंद करनी ही होगी।
ब्लैक होल को खत्म करना होगा तभी स्थिति सामान्य होगी।
ध्रुव एक था और उसको रोकने वाले ध्रुव अनेक!
और हर ध्रुव, ध्रुव जितना ही कुशल योद्धा भी था।
ओफ! इन सबके पास तो अनोखे-अनोखे अनेकों तरीके हैं। और मेरे पास सिर्फ दो हाथ!
गलत! दो नहीं...
चार!
चंडिका! थैंक गॉड!
मदद करने के लिए!!
नहीं! मेरी टेंशन दूर करने के लिए! अब एक बड़ा रहस्य...
खुल जाएगा!
अरे!
काम पर ध्यान दो ध्रुव! वर्ना काम हो जाएगा!

ये ध्रुव एकाएक कहां से आ गए, ये तो मैं नहीं जानता पर यह जरूर जानता हूं कि ये लड़ाई ज्यादा देर तक नहीं चलेगी। सिक्योरिटी बुलाई तो खुद मैं भी फंस सकता हूं।
एक ही रास्ता है मुझे ब्लैक होल की पॉवर को बढ़ाना पड़ेगा दो दिनों का काम कुछ मिनटों में पूरा करना होगा!!
ध्रुव! इनसे हम कभी जीत नहीं सकते! ये लड़ने में तो हमारे बराबर हैं पर संख्या में बहुत ज्यादा हैं।
मैं इनको रोक कर रखता हूं। तुम जाकर कंट्रोल पेनल के सारे स्विच ऑफ कर दो। या बेहतर होगा कि सीधा फ्यूज ढूंढो और निकाल दो।
ठीक है।
ये रहा फ्यूज।
अरे! मुझे कौन खींच रहा है।
ये...ये क्या हो रहा है।

ओ! इसे कहते हैं बदकिस्मती का खेल! ध्रुव और उसकी साथी ब्लैक होल की ग्रेविटी की जद में आ गए हैं। बाकी ध्रुव अपनी पकड़ बनाए हैं।
हम ब्लैक होल में खिंच रहे हैं, ध्रुव!!
मैं...मैं कुछ कोशिश करता हूं।
ओफ्! खिंचाव बहुत तेज है!
टक
ये...ये तो गलती से सही काम हो गया। ध्रुव ब्लैक होल में समा गया!!
और साथ ही बाकी ध्रुव भी अपने आयामों में पहुंच गए।
अब मुझे ब्लैक होल की तीव्रता को फिर से कम कर देना चाहिए! खतरा खत्म हो गया है।
एक खतरा खत्म हो गया था!

और दूसरा खत्म होने वाला था!
और सबसे ज्यादा चिंता जनक बात ये थी कि-
माइक्रो ब्लैक होल बेकाबू हो रहा था।
जारी है
हेड्रॉन

महाविनाशक साबित होगा... हैड्रॉन

प्यारे राज कॉमिक्स प्रेमियों, जनून

आपने पढ़ी नागराज और सुपर कमाण्डो ध्रुव की हैरत अंगेज गाथा, **चुनौती**। एक प्राचीन नगरी ने कई धुरंधरों को नाकों चने चबवा दिए। सभी सूरमा एक शातिर की चालों के शिकार होते नजर आ रहे हैं। क्या सर्वशक्तिमान नागराज, क्या तीक्षण बुद्धि ध्रुव सभी को एक अकेले मेग्नम ने धूल चटा दी है। आगे रहस्यों की भूलभुलैया और प्रल्यंकारी जंग बाकी है। जिसे आप पढ़ेंगे आगामी माह प्रकाशित होने जा रहे इस सीरिज के अंतिम पार्ट **हैड्रॉन** में। आशा है **अवशेष** की ही तरह सभी पाठक मित्रों को **चुनौती** भी पंसद आएगी। कृप्या अपने सुझाव हमें जरुर लिखें।

इसी सैट में प्रकाशित हुई अन्य तीन नई कॉमिक्स **चेहरा, कोबराक व बुद्धिहारी खजाना** के विषय में भी आपको कुछ जानकारी देना चाहूंगा। चेहरा 46 पेजिस की कॉमिक्स है। यह दनादन डोगा की एक अतिरोमांचक कहानी है। बॉलीवुड का एक सिनेस्टार किस तरह षडयंत्रों के जाल में फंसता है कि उसका चेहरा यानि कि उसकी इमेज ही उसकी जान और फिर मुम्बई वासियों की जान के दुश्मन बन जाते हैं। तब दनादन डोगा उन षडयंत्रों का परदाफाश करता है। दनादन डोगा को लेकर कुछ पाठकों को जो भ्रम हैं वे जल्दी ही आगामी कॉमिक्स में दूर किए जाएंगे। **चेहरा** सिंगल पार्ट की कॉमिक्स है। आगामी कॉमिक्स **लक्ष्यबेधी** रेगुलर डोगा सीरीज की कॉमिक्स होगी।

कोबराक राज 20 सीरीज की कॉमिक्स है। जिसमें विसर्पी की 20-20 पेज की दो कॉमिक्स हैं **कोबराक** एवं **पागल नागिन**। दोनों ही विसर्पी की बेहतरीन कॉमिक्स हैं। जिसमें दिखाया गया है कि कैसे नागराज का कोबराक बन कर विसर्पी के नजदीक जाना विसर्पी की जिंदगी के लिए खतरा बन जाता है। खतरा भी इतना बड़ा कि विसर्पी पागल हो जाती है। और नागराज की ही जान की दुश्मन बन जाती है।

बुद्धिहारी खजाना, बांकेलाल की एक और हास्य कॉमिक्स है। बांकेलाल को मिलता है एक खजाना जो कि उसकी बुद्धि हर लेता है। जिसके कारण बांकेलाल को जान के लाले पड़ जाते हैं। बड़ी मुश्किलों के बाद बांकेलाल अपनी जान बचा पाता है। आशा करता हूं कि जिस प्रकार **सोने की लीद, गधाधारी बांकेलाल** व **शुभ मंगल सावधान** को पाठकों ने पसंद किया वैसे ही **बुद्धिहारी खजाना** भी बांकेलाल प्रेमियों का मनोरंजन करेगी।

बुद्धिहारी खजाना कॉमिक्स में हमने कुछ नये प्रकार के कलर इफैक्ट्स दिए हैं। आशा है आपको पंसद आऐंगे।
राज एक्सक्लूसिव वेब कॉमिक्स के अंतर्गत इस वर्ष दो नवीनतम कॉमिक्स तैयार की जा रही हैं। कॉमन वेल्थ गेम्स पर आधारित कॉमिक्स **हम होंगे कामयाब** व I SPY. **हम होंगे कामयाब** सुपर कमाण्डो ध्रुव, तिरंगा, परमाणु व वक्र की मल्टीस्टारर कॉमिक्स है व I SPY 26/11/2008 के हादसे पर आधारित श्रद्धांजली कॉमिक्स है इस बार इस कॉमिक्स में नागराज के साथ देशभक्त डिटेक्टिव तिरंगा भारतवासियों को सुरक्षा संदेश देगा। इन दोनों कॉमिक्स के कुछ पेजिस आप राज कॉमिक्स वेबसाइट पर निशुल्क पढ़ सकेंगे। इसके अलावा निशुल्क वेब कॉमिक्स की श्रृंखला में जल्दी ही **हत्यारा टी. वी., खुर्राट** व **प्रेतसवारी** भी राज कॉमिक्स वेबसाइट पर प्रकाशित की जाने वाली हैं।
राज रजत वर्ष के उपलक्ष्य में राज कॉमिक्स ने 15 अगस्त 2010 को **फ्री कॉमिक्स डे** का आयोजन किया था। जिसमें हजारों राज कॉमिक्स प्रेमियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और राज कॉमिक्स ऑन लाईन स्टोर से सभी पाठकों को 150/- की निशुल्क कॉमिक्स भेजी गईं। मैं सभी राज कॉमिक्स प्रशंसको का शुक्रिया अदा करता हूं जिन्होने इस आयोजन को सफल बनाया। अब हर वर्ष 15 अगस्त के दिन राज कॉमिक्स **फ्री कॉमिक्स डे** का आयोजन करेगी। जिन मित्रों ने इस वर्ष **फ्री कॉमिक्स डे** में हिस्सा लिया व जो किन्ही कारणों वश नहीं ले पाए वे सभी अगले वर्ष भी 15 अगस्त पर **फ्री कॉमिक्स डे** बनाने के लिए आमंत्रित हैं। राज रजत वर्ष में इसी सैट में हम नागराज व बांकेलाल की अनुपलब्ध कॉमिक्स फिर उपलब्ध करा रहे हैं। हर नये सैट के साथ नागराज व बांकेलाल की एक-एक डाइजेस्ट प्रकाशित की जाएगी। हर डाइजेस्ट में तीन-तीन कॉमिक्स होंगी। इसके अलावा राज कॉमिक्स online store पर बहुत सी अनुपलब्ध राज कॉमिक्स इ कॉमिक्स के रूप में उपलब्ध कराई गई हैं और अब आपको राज इ कॉमिक्स पर 25% की जगह 40% छूट मिलेगी। जिस प्रकार राज कॉमिक्स मित्रों ने पिछले वर्ष में online store पर रिकार्ड तोड़ खरीदारी करके राज कॉमिक्स online store को मजबूत बनाया है अगर यही सहयोग हमें आपसे निरंतर मिलता रहा तो राज कॉमिक्स आपको और भी कम दामों में या ज्यादा छूट के साथ उपलब्ध कराई जाएंगी। जल्दी ही हम राज कॉमक्सि online store के ग्राहकों के लिए और भी Schemes ला रहे हैं। जैसे की पोस्टर व टी शर्ट के उपहार इत्यादि। online store से खरीदारी करना बहुत आसान और सुविधाजनक है। आपकी मनपंसद कॉमिक्स आकर्षक उपहार व छूट के साथ अच्छी पेंकिंग में व सही समय पर आप तक पहुंचती हैं। इसके अलावा यदि आपको खरीदारी में कोई परेशानी आती है तो आप साईट पर हमारे कस्टमर सर्विस प्रबंधकर्ता से live chat भी कर सकते हैं। यदि आपको हमारी सर्विस से कोई शिकायत भी है तो उसका निपटारा भी शीघ्रातिशीघ्र किया जाता है।
Airtel, Vodafon एवं tata docomo पर राज कॉमिक्स मोबाइल कॉमिक्स के रूप में उपलब्ध है। अब जल्दी ही राज कॉमिक्स पाठक अपने-अपने मोबाइल सेट पर अपने प्रिय पात्र नागराज, ध्रुव व डोगा के मोशन कॉमिक्स व मोबाइल गेम्स का आनन्द भी उठा सकेंगे।
नागराज जन्मोत्सव- 5 अक्टुबर को हर वर्ष नागराज का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस वर्ष भी नागराज जन्मोत्सव बड़े धूम-धाम से मनाया जाएगा। किन्तु दिल्ली में इस वर्ष कॉमन वेल्थ गेम्स के चलते इस समारोह को गेम्स के समापन के बाद रविवार दिनांक 17 अक्टुबर 2010 को आयोजित किया जाएगा। राज कॉमिक्स मित्र जन्मोत्सव की ताजा जानकारी के लिए कृप्या राज कॉमिक्स की वेबसाइट से जुड़े रहें। नवीनतम सूचना वेबसाइट पर ही प्रकाशित की जाएगी।
अब विदा लेता हूं। जल्दी ही मिलूंगा आगामी ग्रीन पेज पर!

जनून

धन्यवाद
आपका संजय गुप्ता
ग्रीन पेज नः- 310

पायेरेसी जनून नहीं अपराध है। कॉमिक्स खरीद कर पढ़ें।